रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार , 22 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 101 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

पूरा बंगाल तय कर बैठा है, दीदी को हटाने का समय आ गया'; दार्जिलिंग की रैली में बोले शाह

पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल तेज हो चुका है और दार्जिलिंग में आयोजित जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की राजनीतिक स्थिति पर तीखा बयान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की मांग अब तेज हो रही है और जनता परिवर्तन की दिशा में सोच रही है। अमित शाह ने गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो गोरखा बहनों और भाइयों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। अमित शाह ने अपने संबोधन में दावा किया कि भाजपा सरकार बनने के बाद छह महीनों के भीतर गोरखा समुदाय से जुड़ी पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे लोगों के जीवन में संतोष और स्थिरता आ सके।

दीदी को हटाने का समय आ गया- अमित शाह

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) दोनों पर गोरखा समुदाय और दार्जिलिंग क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप रहा है। शाह के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान भाजपा अपनी सरकार बनने के बाद तय समयसीमा में करने का प्रयास करेगी। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने उत्तर बंगाल के लोगों से अपील की कि एक बार फिर भाजपा को अवसर दिया जाए, ताकि विकास और समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा 'उत्तर बंगाल वालों, एक बार भाजपा सरकार बना दीजिए। तीन चुनावों से दार्जिलिंग तो कमल फूल पर वोट कर ही रहा है, लेकिन इस बार पूरा बंगाल तय कर बैठा है कि दीदी को हटाने का समय आ गया है।'

बजट आवंटन को लेकर भेदभाव- शाह

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बजट आवंटन को लेकर भेदभाव किया जा रहा है। अमित शाह ने कहा कि तृणमूल सरकार ने उत्तर बंगाल, आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए करीब 2000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जबकि मदरसों और अल्पसंख्यक क्षेत्रों के लिए 5800 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि उत्तर बंगाल और गोरखा समुदाय के साथ न्याय की शुरुआत अब से होगी।

"KCR से विपक्षी दर्जा नहीं छीना तो नाम बदल लूंगा"

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में जनसभा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (KCR) पर तीखा हमला बोला और बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर वे KCR से विपक्ष के नेता का दर्जा नहीं छीन पाए तो अपना नाम बदल लेंगे। जयशंकर भूपालपल्ली जिले में आयोजित सभा में रेवंत रेड्डी ने 2029 चुनाव को लेकर KCR को सीधी चुनौती देते हुए "तुम बनाम मैं" की बात कही। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि करीब 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से बना यह प्रोजेक्ट कुछ ही वर्षों में खराब स्थिति में पहुंच गया।

मुख्यमंत्री ने 'रैतु भरोसा' योजना की दूसरी किस्त जारी करते हुए कहा कि सरकार किसानों के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि लाखों किसानों के खातों में हजारों करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए हैं और कर्ज माफी जैसी योजनाएं भी लागू की गई हैं। साथ ही गरीबों को बेहतर गुणवत्ता का चावल उपलब्ध कराने का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा किसानों और गरीबों के हित में काम किया है। वहीं भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख KCR ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने झूठे वादों के दम पर सत्ता हासिल की और राज्य को अव्यवस्था में धकेल दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी दोबारा सत्ता में आएगी और सरकार बनने पर Hydra परियोजना को खत्म कर दिया जाएगा। तेलंगाना में कांग्रेस और BRS के बीच सियासी टकराव लगातार तेज हो रहा है। रेवंत रेड्डी की इस चुनौती और KCR के जवाब से साफ है कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति और अधिक गर्माने वाली है, खासकर 2029 के चुनावों को लेकर।

हिमाचल में 'काम करो या पद छोड़ो' फॉर्मूला नेताओं की परफॉर्मेंस पर कड़ी नजर

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी अपने संगठन को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाने के लिए नया सिस्टम लागू करने जा रही है। यह पहल राहुल गांधी के निर्देशों पर शुरू हो रही है, जिसमें ब्लॉक और जिला स्तर के नेताओं के काम का नियमित मूल्यांकन किया जाएगा।

इस नई पॉलिसी के तहत पदाधिकारियों की परफॉर्मेंस को तीन कैटेगरी में बांटा जाएगा-ग्रीन, येलो और रेड जोन। ग्रीन जोन में बेहतर काम करने वाले नेता होंगे, येलो में औसत प्रदर्शन वाले, जबकि रेड जोन में कमजोर प्रदर्शन करने वाले नेताओं को रखा जाएगा। रेड जोन में आने वालों को सुधार का मौका मिलेगा, लेकिन लगातार खराब प्रदर्शन पर उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है। नेताओं की निगरानी कैसे होगी? इस सिस्टम को लागू करने के लिए पार्टी एक खास मोबाइल ऐप तैयार कर रही है। इसके जरिए ब्लॉक अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष और राज्य कार्यकारिणी के पदाधिकारी अपनी गतिविधियों की जानकारी अपलोड करेंगे।

मीटिंग, कार्यक्रम, जनसंपर्क और संगठन से जुड़ी हर गतिविधि की फोटो और रिपोर्ट ऐप में डालनी होगी। इस डिजिटल मॉनिटरिंग से यह स्पष्ट हो सकेगा कि कौन नेता जमीन पर कितना सक्रिय है। हर तीन महीने में इन गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी दोनों स्तरों पर निगरानी रखी जाएगी। लगातार कमजोर प्रदर्शन पर पहले चेतावनी और सुधार का मौका दिया जाएगा, उसके बाद पद से हटाने की कार्रवाई भी हो सकती है। अच्छा प्रदर्शन करने वालों को मिलेगा फायदा इस व्यवस्था का एक बड़ा पहलू यह है कि अच्छा काम करने वाले नेताओं को भविष्य में चुनावी टिकट पाने में प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रीन जोन में शामिल पदाधिकारियों को लोकसभा, राज्यसभा या विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना बढ़ेगी।

इसके अलावा संगठन में भी उन्हें बड़े पद दिए जा सकते हैं। पार्टी का मानना है कि इस कदम से नेताओं में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, वे ज्यादा सक्रिय होंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

तुकईथड़ कृषि उपज मंडी में अव्यवस्था, घंटों परेशान हुए किसान जिम्मेदार मोन

महेन्द्र मालवीय
रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर जिले की तुकईथड़ कृषि उपज मंडी में समर्थन मूल्य पर चना बेचने पहुंचे किसानों को भारी अव्यवस्था का सामना करना पड़ा। किसान रात से ही अपनी उपज लेकर मंडी पहुंच गए थे, लेकिन सुबह से लेकर दोपहर 12 बजे तक मंडी का मुख्य गेट नहीं खुला, जिससे किसानों में आक्रोश फैल गया।

रातभर खुले आसमान के नीचे इंतजार-दूर-दराज के गांवों से आए किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर रात में ही मंडी पहुंच गए थे। पूरी रात सड़क पर गुजारने के बाद सुबह उन्हें खरीदी शुरू होने की उम्मीद थी, लेकिन गेट बंद मिलने से उनकी परेशानी और बढ़ गई। तेज गर्मी और भूख-प्यास के बीच किसानों को लंबा इंतजार करना पड़ा।

मंडी प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप-किसानों ने मंडी प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। उनका कहना है कि समय पर सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

मंडी के बाहर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लगने से यातायात भी प्रभावित हुआ।

प्रशासन पहुंचा मौके पर-स्थिति बिगड़ने की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार कविता सोलंकी मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए और किसानों को जल्द खरीदी शुरू कराने का आश्वासन दिया। हालांकि, खरीदी कुछ समय के लिए शुरू होने के बाद फिर बंद हो गई।

उप संचालक का स्पष्टीकरण-उप संचालक कृषि एवं खरीदी प्रभारी एमएस देवके ने बताया कि मंडी मैनेजर पारिवारिक कारणों से समय पर नहीं पहुंच पाए, जिसके कारण यह स्थिति बनी। उन्होंने कहा कि अब अन्य प्रभारी की नियुक्ति कर अगले दिन से खरीदी सुचारू रूप से शुरू की जाएगी।

जिम्मेदारी तय करने की मांग-इस घटना से नाराज किसानों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी का उद्देश्य किसानों को राहत देना है, लेकिन ऐसी अव्यवस्थाएं उनके लिए परेशानी का कारण बन रही हैं।

ग्राम कृष्णपुरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन, 7 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

मालवा कुनबी पटेल समाज के तत्वाधान में ग्राम कृष्णपुरा में दिनांक 21 अप्रैल, मंगलवार को सामूहिक विवाह सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 7 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे, जिनका विवाह संस्कार गायत्री शक्तिपीठ के आचार्य द्वारा वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। इस आयोजन की विशेष बात यह रही कि वधु पक्ष से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया गया, जिससे समाज में सादगीपूर्ण और सामाजिक समरसता का संदेश गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा टीम के उत्साह और समर्पण का विशेष योगदान रहा, जिसके कारण पूरा आयोजन व्यवस्थित और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

बिना प्रयास ध्यान की अनोखी राह : सहज योग से आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक शांति की ओर बढ़ता विश्व

वर्तमान दौर में जब जीवन की रफ्तार पहले से कहीं अधिक तेज हो चुकी है और मानसिक दबाव, चिंता तथा असंतुलित दिनचर्या आम बात बन गई है, तब मेडिटेशन यानी ध्यान केवल एक आध्यात्मिक अभ्यास नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और संतुलन का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। दुनिया भर में लोग मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और बेहतर जीवन गुणवत्ता की तलाश में ध्यान की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही यह भी एक सच्चाई है कि ध्यान की सही विधि और उसके वैज्ञानिक आधार को समझे बिना यह अभ्यास अक्सर केवल एक औपचारिक क्रिया बनकर रह जाता है, जिससे अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। ध्यान के मार्ग में सबसे बड़ी बाधाएं व्यक्ति के अपने ही मन और शरीर से जुड़ी होती हैं। अत्यधिक विचारों का प्रवाह, जिसे ओवरथिंकिंग कहा जाता है, शारीरिक बेचैनी, नींद या आलस्य की स्थिति, ध्यान केंद्रित न हो पाना और जल्दी परिणाम पाने की अधीरता—ये सभी कारक ध्यान की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। इन चुनौतियों से पार पाने के लिए नियमितता और सही दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है। प्रतिदिन एक निश्चित समय पर ध्यान करना, सहज और आरामदायक मुद्रा में बैठना, अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करना और विचारों को जबरन रोकने के बजाय उन्हें साक्षी भाव से देखना—ये सभी अभ्यास धीरे-धीरे मन को स्थिर और शांत बनाने में सहायक होते हैं।

इसी संदर्भ में सहज योग एक अत्यंत सरल और प्रभावी ध्यान पद्धति के रूप में सामने आता है, जिसे 1970 में श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विकसित किया गया था। यह पद्धति विशेष रूप से इसलिए अलग मानी जाती है क्योंकि इसमें ध्यान के लिए किसी जटिल आसन, कठिन प्राणायाम या मानसिक दबाव की आवश्यकता नहीं होती। सहज योग के माध्यम से व्यक्ति की आंतरिक कुण्डलिनी ऊर्जा को सहज रूप से जाग्रत किया जाता है, जो आत्म-साक्षात्कार की अवस्था तक पहुंचने में सहायक होती है। सहज योग का मूल उद्देश्य व्यक्ति को उसकी आंतरिक चेतना

से जोड़ना है, जिससे वह स्वयं को गहराई से समझ सके और अपने भीतर छिपे शांति और आनंद के स्रोत को अनुभव कर सके। इस पद्धति में ध्यान किसी प्रयास से नहीं किया जाता, बल्कि यह स्वाभाविक रूप से "विचार-रहित जागरूकता" की अवस्था में ले जाता है। इस अवस्था में मन न तो अतीत में उलझा रहता है और न ही भविष्य की चिंता करता है, बल्कि पूरी तरह वर्तमान में स्थित होकर शांत और स्पष्ट हो जाता है। सहज योग की सबसे खास बात यह है कि इसमें ध्यान के लिए किसी प्रकार का बाहरी दबाव या अनुशासन नहीं थोपा जाता। केवल सच्ची इच्छा और समर्पण के साथ व्यक्ति इस मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। यही कारण है कि यह पद्धति हर वर्ग, हर आयु और हर परिस्थिति के लोगों के लिए समान रूप से उपयुक्त मानी जाती है। इसे कहीं भी और कभी भी अभ्यास किया जा सकता है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पूरी तरह निःशुल्क है, जिससे यह सभी के लिए सुलभ बनती है। इस ध्यान पद्धति के नियमित अभ्यास से न केवल आध्यात्मिक विकास होता है, बल्कि मानसिक तनाव में कमी, शारीरिक संतुलन में सुधार और भावनात्मक स्थिरता भी प्राप्त होती है।

वसुंधरा के पत्र से मध्य प्रदेश में बवाल! जीतू पटवारी बोले-भाजपा के दमन के खिलाफ चलेगा आंदोलन

इंदौर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के फर्जी पत्र को वायरल करने के नाम पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है. उन्होंने कहा इस मामले को लेकर कांग्रेस अब आंदोलन की रणनीति तैयार कर रही है जीतू पटवारी ने कहा कि 15 अप्रैल को वसुंधरा राजे का एक पत्र वायरल हुआ और 4 दिन में उसे करोड़ों लोगों ने शेयर किया।

इसके बाद इस पत्र को लेकर वसुंधरा राजे ने कहा कि यह मेरा पत्र नहीं है. अब इस पत्र को वायरल करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार बताकर एफआईआर की जा रही है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को इंदौर में जानकारी देते हुए बताया कि "वसुंधरा राजे के 15 अप्रैल को वायरल पत्र को सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किया गया. इस पत्र की महिला आरक्षण को लेकर मूल भावना ठीक वही है जैसे लेकर कांग्रेस बिल का विरोध कर रही है. मोहन भागवत को संबोधित इस पत्र को हालांकि वसुंधरा

राजे ने 4 दिन के बाद खुद ही ट्विट करके फर्जी बताया था लेकिन तब तक यह पत्र करोड़ों लोगों ने वायरल कर दिया था."। उन्होंने कहा "प्रदेश की मोहन सरकार ने इस पत्र को वायरल करने के लिए कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराकर उन्हें आईटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है, जो कि भाजपा की दमनकारी नीति प्रदर्शित करता है. भाजपा सरकार की इसी नफरत भरी सोच से किसी को डरना नहीं है बल्कि पूरी ताकत से इसका मुकाबला करना है."।

'खड़गे और राहुल गांधी ने लिखे 33 पत्र'

जीतू पटवारी ने महिला आरक्षण बिल का जिक्र करते हुए कहा, "महिला आरक्षण को लेकर खड़गे और राहुल गांधी ने 33 पत्र प्रधानमंत्री को लिखे हैं." उन्होंने कहा कि "अब से 23 साल पहले सोनिया गांधी संसद में महिला आरक्षण बिल लेकर आई थीं. राहुल गांधी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया था, जिसे कांग्रेस पार्टी ने स्थानीय निकाय चुनाव में 50 प्रतिशत तक कर दिया."।

प्रधानमंत्री मोदी पर उठाए सवाल

जीतू पटवारी ने एपिस्टिन फाइल को लेकर भी प्रधानमंत्री के ऊपर सवाल खड़े किए. प्रधानमंत्री मोदी को डोनाल्ड ट्रंप के सामने सरेंडर होने तक के आरोप लगाए. उन्होंने यहां तक कह दिया कि हमारे देश का शासन ट्रंप क्यों चला रहे हैं? इसके अलावा, उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और किसानों की फसल के एमएसपी का मुद्दा भी उठाया।

डेली कॉलेज बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के खिलाफ शिकायत, एडीएम करेंगे जांच

मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित प्रतिष्ठित डेली कॉलेज एक बार फिर विवादों में है। ओल्ड डेलियंस (पूर्व छात्रों) ने कॉलेज के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के खिलाफ गंभीर शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर अब प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, शिकायत में बोर्ड के कामकाज, निर्णय प्रक्रिया और प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पूर्व छात्रों का आरोप है कि कुछ फैसले नियमों के अनुरूप नहीं लिए गए और संस्थान की परंपरा व हितों की अनदेखी की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने इसे संज्ञान में लिया है और एडीएम स्तर के अधिकारी को जांच सौंपी गई है। जांच में सभी संबंधित पक्षों के बयान लिए जाएंगे और दस्तावेजों की भी समीक्षा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस स्टाफ अर्जुन कारले एवं

आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम असाधारण कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कृत

इंदौर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) छैगांव में पदस्थ ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस स्टाफ अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम को उनके उत्कृष्ट एवं असाधारण कार्य निष्पादन के लिए मुख्यालय जबलपुर में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

उल्लेखनीय है कि दीपावली के दिन 220 केवी छैगांव-खंडवा सर्किट क्रमांक-2 में अचानक ब्रेकडाउन हो गया था, जिसके कारण त्यौहार के अवसर पर खंडवा की विद्युत आपूर्ति बाधित होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लाइन स्टाफ अर्जुन कालरे एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम ने तत्परता और दक्षता का परिचय देते हुए फेल हुई डिस्क इंसुलेटर को मात्र 1 घंटे 26 मिनट में बदलकर ब्रेकडाउन को शीघ्रता से दुरुस्त किया। दोनों के इस उल्लेखनीय प्रयास से लाइन को न्यूनतम संभव समय में पुनः ऊर्जीकृत किया जा सका और खंडवा क्षेत्र में दीपावली के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनी रही। उनके इस सराहनीय एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए मुख्यालय जबलपुर में आयोजित एक विशेष समारोह में सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता एवं ट्रांसमिशन लाइन विशेषज्ञ श्री एन. जी. टिकेकर, प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी एवं मुख्य अभियंता श्री डीके अग्रवाल ने उन्हें सिल्वर मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

इंदौर से रवाना हुई दो बसों में हादसे

● एक बस पलटी, 11 यात्री घायल, दूसरी में लगी आग

इंदौर। इंदौर से सागर और टिकमगढ़ जा रही दो बसों में हादसे हो गए। एक बस जहां पलट गई और उसमें सवार 11 यात्री घायल हो गए, वहीं दूसरी बस में आग लग गई, इसके चलते उसमें सवार यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। पहली घटना टीकमगढ़ में हुई। मंगलवार सुबह बड़ागांव रोड पर एक यात्री बस पलट गई, जिसमें 11 लोग घायल हो गए। हादसा जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर हनुमान मंदिर के पास क्रॉसिंग के दौरान हुआ। बस सर्विस कंपनी की थी और इंदौर से टीकमगढ़ जा रही थी। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई। कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक ने

मौके पर पहुंचकर बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। कुछ यात्रियों को सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अधिकांश को मामूली चोटें लगी हैं। पुलिस फिलहाल घटना के कारणों की जांच कर रही है। दूसरी घटना रायसेन में मंगलवार शाम करीब 4 बजे हुई। यहां इंदौर से सागर जा रही एक स्लीपर कोच बस में अचानक आग लग गई। घटना सेहतगंज के पास हुई, जहां बस के अगले हिस्से से लपटें उठती देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। चालक ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका, जिससे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने का मौका मिल गया। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। आग लगते ही बस के अंदर तेजी से धुआं भर गया, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। लोग दरवाजे खोलकर तुरंत बाहर निकले और संभावित धमाके के डर से करीब 200 मीटर दूर जाकर खड़े हो गए।

बैटरी में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग चालक की सीट के नीचे और स्टीयरिंग के पास से शुरू हुई। शुरूआती जांच में बस की बैटरी में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। स्थिति बिगड़ने से पहले ही चालक और परिचालक ने मौके पर पानी डालकर आग पर काबू पा लिया। उनकी तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया।

प्रेम, शांति और सद्भावना रथ को सीएम ने दिखाई हरी झंडी

कहा-विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर गांव-गांव तक पहुंचेगा दिव्य रथ

एक वर्ष तक चलेगा जन जागरण अभियान,एमपी के रीवा से शुरुआत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा संचालित किए जा रहे पारिवारिक संस्कृति व प्रेम, शांति एवं सद्भावना रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान समाज में प्रेम, शांति और भाईचारे की भावना को सशक्त करेगा तथा प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। प्रेम, शांति और विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर गांव-गांव तक भ्रमण करने वाले रथ से एकता, प्रेम, सद्भावना व नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजागृति रथ में स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों के दिव्य स्वरूपों की पूजा-अर्चना की। रीवा के राजनिवास सर्किट हाउस में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पावन और आध्यात्मिक कार्य प्रदेश में विश्व बंधुत्व की भावना जागृत करने में सहायक सिद्ध होगा। ब्रह्माकुमारी संस्थान की भोपाल जोन की डायरेक्टर बीके निर्मला के निर्देशन में जन जागरण अभियान अंतर्गत ज्योतिर्लिंग रथ रीवा जिले में महाशिवरात्रि 2027 तक भ्रमण करेगा। कार्यक्रम में जिला भाजपाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता सहित ब्रम्हकुमारी संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

27 अप्रैल को होगा एमपी विधानसभा का विशेष सत्र

● नारी शक्ति वंदन पर होगी चर्चा अधिसूचना जारी

मध्यप्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र 27 अप्रैल को बुलाया गया है। विधानसभा सचिवालय की ओर से इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है।

इस विशेष सत्र में 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इससे पहले रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशेष सत्र बुलाने की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि महिलाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर विधानसभा में विस्तृत चर्चा की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले सोमवार को भोपाल में भाजपा द्वारा 'नारी शक्ति वंदन' के समर्थन में आक्रोश रैली भी निकाली गई थी। इस रैली के माध्यम से पार्टी ने महिलाओं के अधिकारों के समर्थन में अपनी बात रखी।

दुनिया अब भारत के ज्ञान से लगा रही है बड़ी उम्मीद

● मोहन भागवत बोले-राजा से विज्ञान तक सब मॉडल फेल

अगरतला (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि 2000 साल तक शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बाद अब दुनिया भटक गई है और भारत के ज्ञान की ओर देख रही है। उन्होंने यह बात त्रिपुरा के मोहनपुर में धार्मिक कार्यक्रम में कही। भागवत मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा कि पहले सत्ता राजा को दी गई, लेकिन बाद में राजा ही जनता का शोषण करने लगा। इसके बाद लोगों ने भगवान को सर्वोच्च मानकर धर्म बनाए, लेकिन इससे भी खून-खराबा नहीं रुका। विज्ञान के दौर में भी मानव की समस्याएं खत्म नहीं हुई। लोगों ने कहा कि हम वैज्ञानिक हैं, जब तक भगवान लैब में नहीं दिखेगा, हम नहीं मानेंगे। इसके बाद विज्ञान का दौर आया। कई सुविधाएं और आराम मिले, लेकिन संतोष नहीं आया। आज भी दुनिया में दुख है, परिवार टूट रहे हैं, अपराध बढ़ रहे हैं। युद्ध शुरू होते हैं तो रुकते नहीं। विकास जितना बढ़ रहा है, पर्यावरण उतना ही नष्ट हो रहा है। अब 2000 साल के इन प्रयोगों के बाद दुनिया भटक रही है और भारत के ज्ञान की ओर उम्मीद से देख रही है। उन्होंने इसे भारत का कर्तव्य बताया और कहा कि यही भारत के जीवन का उद्देश्य है। कार्यक्रम में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

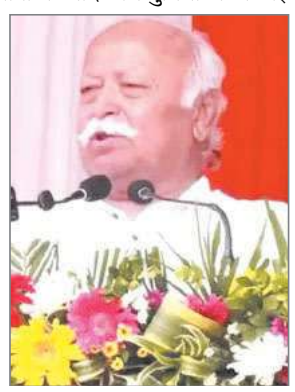

● संघ चीफ बोले- विज्ञान और धर्म दोनों से नहीं मिली शांति

सिंहस्थ और त्योहारों के लिए रेलवे की बड़ी तैयारी

● भोपाल स्टेशन पर दस हजार वर्गमीटर में पक्का होल्डिंग एरिया बनेगा, 3000 यात्री रुक सकेंगे

भोपाल। बड़े आयोजन, त्योहार और पीक सीजन पर क्राउड मैनेजमेंट के लिए रेलवे ने बड़ी तैयारी की है। अभी तक यात्रियों की संख्या बढ़ने पर प्लेटफॉर्म के बाहर अस्थायी टेंट या पंडाल लगाकर इंतजाम किए जाते हैं। अब रेलवे स्थायी समाधान की ओर बढ़ रहा है। नए प्लान के तहत प्लेटफार्म नंबर 6 की ओर रेन बसेरा के नजदीक 8-10 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में पक्का होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। इसमें 2000-3000 से अधिक यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी। खासतौर पर सिंहस्थ के चलते भी ये कदम उठाया जा रहा है। ये सुविधाएं। यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां। ट्रेन की जानकारी देने के लिए एलईडी स्क्रीन। सिंहस्थ के अलावा भी उपयोगीः भोपाल में हर साल तबलीगी आलमी इज्तिमा होता है, जिसमें 10 लाख से ज्यादा लोग जुटते हैं। सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में साल में दो बार भव्य आयोजन होते हैं, जिनमें देशभर से लाखों लोग आते हैं।

'सुप्रीम' सवाल, छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

सबरीमाला के वकील बोले-भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी, इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी से पूछा कि क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा जिसे देवता को छूने की इजाजत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब मुख्य पुजारी ने कहा कि कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवताओं की विशेषताओं के विपरीत नहीं हो सकता। नौ जजों की संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। साथ ही, पीठ कई धर्मों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक

स्वतंत्रता के दायरे और विस्तार पर भी सुनवाई कर रही है। इस पीठ में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएल सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमनुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज महीस, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची शामिल हैं।

मंदिर में होने वाले समारोहों की प्रकृति धर्म का अभिन्न अंग

मुख्य पुजारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील वी गिरि ने दलील दी कि किसी मंदिर में होने वाले समारोहों और रीति-रिवाजों की प्रकृति उस धर्म का एक अभिन्न अंग होती है, और इसलिए उसे एक धार्मिक प्रथा माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रथा जारी रखना, जो एक अनिवार्य धार्मिक प्रथा है, पूजा के अधिकार का ही एक हिस्सा होगा। यह अधिकार उस धर्म या संप्रदाय में विश्वास रखने वाले हर सदस्य के लिए है। गिरि ने कहा, जब कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवता की विशेषताओं के विपरीत नहीं हो सकता, क्योंकि उसका उद्देश्य ही देवता की पूजा करना होता है।

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक जंग का समय

आतंकवाद आज केवल किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति और मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हो रही आतंकी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आतंक के नेटवर्क अब सीमाओं से परे जाकर संगठित और तकनीकी रूप से अधिक सक्षम हो चुके हैं। ऐसे में केवल निंदा या प्रतीकात्मक कार्रवाई से काम नहीं चलेगा, बल्कि एक मजबूत और समन्वित मोर्चा खड़ा करना समय की मांग है। भारत लंबे समय से आतंकवाद का सामना करता रहा है। चाहे वह सीमा पार से प्रायोजित आतंक हो या देश के भीतर कट्टरपंथी तत्वों द्वारा फैलाया जा रहा जहर, हर रूप में यह राष्ट्र की एकता और विकास के लिए खतरा है। बीते वर्षों में सुरक्षा एजेंसियों ने कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं, लेकिन यह भी सच है कि आतंकवाद लगातार नए रूप और रणनीतियां अपनाता जा रहा है। आतंक के खिलाफ लड़ाई में सबसे जरूरी है-सूचना और खुफिया तंत्र की मजबूती। जब तक समय रहते सटीक जानकारी नहीं मिलेगी, तब तक किसी भी खतरे को जड़ से खत्म करना संभव नहीं होगा। इसके साथ ही आधुनिक तकनीक, साइबर निगरानी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बढ़ाना होगा, ताकि आतंकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा सके। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है अंतरराष्ट्रीय सहयोग। आतंकवाद का नेटवर्क वैश्विक है, इसलिए इसका मुकाबला भी वैश्विक स्तर पर ही किया जाना चाहिए। देशों के बीच सूचना साझा करना, संयुक्त ऑपरेशन और सख्त कूटनीतिक दबाव—ये सभी कदम आतंकवाद को कमजोर करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि केवल सुरक्षा उपाय ही पर्याप्त नहीं हैं। आतंकवाद की जड़ें अक्सर सामाजिक, आर्थिक और वैचारिक असंतोष में होती हैं। युवाओं को कट्टरपंथ से बचाने के लिए शिक्षा, रोजगार और जागरूकता पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। समाज में समावेशिता और संवाद को बढ़ावा देकर ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है। सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देना, अफवाहों से बचना और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। अंततः, आतंक के खिलाफ लड़ाई केवल हथियारों से नहीं जीती जा सकती, बल्कि इसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है। जब तक पूरी दुनिया एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ी नहीं होगी, तब तक इस खतरे को पूरी तरह खत्म करना मुश्किल रहेगा। अब समय आ गया है कि हम केवल प्रतिक्रिया देने के बजाय सक्रिय और निर्णायक कदम उठाएं—ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण दुनिया मिल सके।

उज्जैन में लेंसकार्ट

स्टोर पर विवाद: कर्मचारियों को तिलक-कलावा लगाने का मामला चर्चा में

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन के टॉवर चौक स्थित Lenskart स्टोर से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय स्तर पर बहस छेड़ दी है। बताया जा रहा है कि कुछ हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने स्टोर पहुंचकर कर्मचारियों को तिलक लगाया और उनके हाथों में कलावा (मौली) बांधा। इस दौरान इसे "सांस्कृतिक पहल" बताया गया, जबकि कुछ लोगों ने इसे कर्मचारियों पर दबाव बनाने की घटना के रूप में देखा। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इस तरह की गतिविधियों की शुरुआत प्रदेश के अन्य शहरों से होने की बात भी कही जा रही है, जिसके बाद उज्जैन में यह मामला सामने आया। घटना के बाद यह मुद्दा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। एक पक्ष इसे भारतीय परंपरा और पहचान से जोड़कर देख रहा है, तो वहीं दूसरा पक्ष कार्यस्थल की स्वतंत्रता और पेशेवर माहौल पर सवाल उठा रहा है। फिलहाल, इस मामले में प्रशासन या पुलिस की ओर से किसी औपचारिक कार्रवाई या बयान की पुष्टि नहीं हुई है।

बोकारो में "पूरा थाना सस्पेंड" कांड: 28 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

हाई कोर्ट के आदेश पर खुली पुष्पा महतो मर्डर फाइल

उज्जैन- झारखंड के बोकारो से एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक ही थाने के 28 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। मामला पुष्पा महतो हत्याकांड से जुड़ा है, जिसकी जांच में गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि इस केस में शुरुआती स्तर पर पुलिस ने ढिलाई बरती और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई। मामला जब तूल पकड़ने लगा तो झारखंड हाई कोर्ट ने हस्तक्षेप किया और फाइल दोबारा खोलने के निर्देश दिए। जांच दोबारा शुरू होने के बाद कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। आरोप है कि थाना स्तर पर ही केस को कमजोर करने की कोशिश की गई और आरोपियों को फायदा पहुंचाया गया।

सबसे गंभीर आरोप थाना प्रभारी पर लगे हैं। कहा जा रहा है कि उनकी आरोपियों से सांठगांठ थी और वे थाने में ही उनके साथ बैठकर पार्टी करते थे। इन आरोपों ने पूरे पुलिस सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले के उजागर होने के बाद विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए पूरे थाने के 28 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है और विस्तृत विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। झारखंड हाई कोर्ट ने भी इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब यह मामला सिर्फ एक हत्या की जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पुलिस व्यवस्था और जवाबदेही पर बड़ा सवाल बन गया है। सभी की नजर अब जांच के नतीजों और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी है।

नीमच में ड्रग्स माफिया पर बड़ा प्रहार!

15 लाख की एमडी-डोडाचूरा जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार

नीमच से आई यह खबर एक बार फिर नशे के बढ़ते खतरे को उजागर करती है। पुलिस के लगातार चल रहे अभियान के बीच बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहां ड्रग्स तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

नीमच सिटी पुलिस ने विशेष अभियान के तहत यह ऑपरेशन चलाया। थाना प्रभारी पुष्पा सिंह चौहान के नेतृत्व में टीम पहले से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। सूचना मिलते ही नीमच-मनासा रोड पर करंट वाले बालाजी मंदिर के पास चेकिंग शुरू की गई। इसी दौरान काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार तीन युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन सतर्क टीम ने तुरंत घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद अशरफ उर्फ बब्बू, अजरखान उर्फ समीर और फरदीन के रूप में हुई है, जो सभी नीमच के निवासी

बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान पुलिस को 150 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा 6 किलो डोडाचूरा भी बरामद किया गया। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है।

अब पूछताछ के जरिए यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कौन सा नेटवर्क सक्रिय है। नीमच में लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने चिंता बढ़ा दी है, खासकर युवाओं पर इसके प्रभाव को लेकर। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई सिर्फ शुरुआत है और आने वाले समय में पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए और सख्त कदम उठाए जाएंगे।

BJP नेतृत्व MLA प्रीतम लोधी की दबंगई पर मौन, SDOP को धमकाने वाला वीडियो चर्चा में

भोपाल/शिवपुरीः मध्य प्रदेश के पिछोर से विधायक प्रीतम लोधी एक बार फिर विवादों में हैं। उनके बेटे दिनेश लोधी पर थार गाड़ी से पांच लोगों को टक्कर मारने का आरोप है, जिसमें कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिनेश लोधी यह कहते नजर आए कि उन्होंने हॉर्न और सायरन दिया था, लेकिन लोग रास्ते से नहीं हटे। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू की तो विधायक प्रीतम लोधी ने करैरा के एसडीओपी और प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी आयुष जाखड़ को कथित तौर पर धमकी दी। इस पूरे मामले पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मामला पार्टी के संज्ञान में है, लेकिन अब तक अनुशासन समिति द्वारा कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

गौरतलब है कि प्रीतम लोधी का नाम पहले भी विवादों में रहा है। वर्ष 2022 में ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी के बाद उन्हें पार्टी से बाहर किया गया था, हालांकि 2023 विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल कर लिया गया। उन्हें उमा भारती का समर्थक माना जाता है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं और खुलेआम पुलिस अधिकारियों को धमका रहे हैं। पटवारी ने विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और पूरे मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। इस घटना ने एक बार फिर सत्ता और कानून के संतुलन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिंगरौली बैंक लूटकांड 15 करोड़ की लूट के पीछे महीनों की साजिश

सिंगरौली के बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई 15 करोड़ रुपये की लूट के मामले में चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपियों ने इस वारदात की योजना करीब एक महीने पहले ही बना ली थी। आरोपियों ने मोरवा क्षेत्र में बड़ी मस्जिद के पास एक मकान किराए पर लिया था। मकान लेते समय उन्होंने खुद को मजदूर बताया, ताकि किसी को उन पर शक न हो। शुरुआत में तीन लोग वहां रह रहे थे, बाद में उनके अन्य साथी भी आकर शामिल हो गए। पुलिस ने मकान की तलाशी के दौरान कई अहम सुराग जुटाए हैं और मकान मालकिन से भी पूछताछ की गई है।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी रोजाना बैंक और आसपास के इलाकों की रेकी करते थे। उन्होंने कई बैंकों को निशाने पर रखा, लेकिन अंत में बैंक ऑफ महाराष्ट्र को इसलिए चुना क्योंकि वहां सुरक्षा गार्ड नहीं था, जिससे लूट को अंजाम देना आसान हो गया। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी कमलेश कुमार को रोहतास से गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट से आठ दिन की पुलिस रिमांड मिली है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस अब बाकी आरोपियों की तलाश में जुटी है और इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने की कोशिश कर रही है। इस घटना ने बैंक सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बैंकॉक चेस ओपन

अरण्यक बने भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर

आर्थिक तंगी दिमाग पर ऐसे हावी, हर मैच करियर बचाने की चुनौती मानकर खेलते थे

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय शतरंज के लिए हालिया हफ्ता ऐतिहासिक उपलब्धियों वाला रहा। आर. वैशाली के महिला वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने और एएस श्रा?वणिका के अंडर-12 रैपिड खिताब जीतने के बाद, अब कोलकाता के अरण्यक घोष ने भारत का 95वां ग्रैंडमास्टर बनकर देश का गौरव बढ़ाया है। नेशनल रैपिड चैम्पियन अरण्यक ने बैंकॉक चेस क्लब ओपन में 9 में से 7 अंक हासिल कर अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म प्राप्त किया। अरण्यक को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ा। उन्होंने पहला नॉर्म 2023 (सैंट्स ओपन) और दूसरा 2024 (एनेमासे मास्टर्स) में हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल फिडे वर्ल्ड कप में पोलैंड के माटुस्ज बार्टेल को हराकर सबको चौंकाया था। अरण्यक वर्ल्ड रैंकिंग में 401वें स्थान पर मौजूद हैं।

तनावमुक्त रहने के लिए कार्टून वाली हुडी पहनकर खेलते हैं

- अरण्यक जब साढ़े चार साल के थे, तब घर की सफाई में मां संचिता को पिता मृणाल घोष की पुरानी, धूल भरी शतरंज पेटी मिली। नन्हे अरण्यक गोटियां सजाकर खेलने लगे। बेटे की रुचि देख पिता मृणाल घोष ने उन्हें ट्रेनिंग दिलवाई।
- कोच सौमेन मजूमदार ने अरण्यक की आर्थिक तंगी को देखते हुए उन्हें मुफ्त कोचिंग दी और अपने खर्च पर शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स से ट्रेनिंग सत्र कराए।
- अरण्यक के पास कॉर्पोरेट स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए इनामी राशि से ही अगले टूर्नामेंट की फीस देते और टिकट वगैरह का खर्च उठाते। साल 2019 में पिता ने फीस के लिए पुश्तैनी जमीन और संपत्तियां बेच दीं। अरण्यक जानते थे कि खराब प्रदर्शन का मतलब अगला मौका खत्म, इसलिए हर मैच को करियर बचाने की चुनौती मानकर खेला।
- मां संचिता घोष ने बेटे के करियर के लिए वकालत छोड़ दी, ताकि विदेशी टूर्नामेंट में साथ जा सकें। यूरोप दौरों में खर्च बचाने के लिए सस्ते कमरों में रहते और खुद खाना बनाते थे।
- जहां खिलाड़ी औपचारिक कपड़ों में खेलते हैं, वहीं अरण्यक कार्टून थीम वाली हुडी पहनकर बोर्ड पर बैठते हैं। यह उन्हें बड़े टूर्नामेंट के दबाव में भी सहज और तनावमुक्त रखती है।
- 2013 में अरण्यक ईरान में एशियन यूथ चेस चैम्पियन ?शिप खेलने गए। तब मां संचिता ने उन्हें ईरानी केसर लाने को कहा था। 9 साल के अरण्यक ने मां की यह इच्छा भी पूरी की और अंडर-10 वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर लौटे।
- वे बचपन से ही थैलेसीमिया से जूझ रहे हैं, जिसमें खून कम होने से लगातार थकान रहती है। इसके बावजूद वे कई बार बुखार और दर्द में भी टूर्नामेंट खेलने पहुंचे। घर पर रहने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने शतरंज को ही अपना सहारा बनाया। उनका कहना है कि बिस्तर पर रहने से बेहतर उन्हें चालें सोचना लगता। यही जिद और मानसिक मजबूती उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी।

चेन्नई सुपर किंग्स को लगा बड़ा झटका

इंजरी के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हुए आयुष म्हात्रे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के बीच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खेमे से एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। टीम के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग चोट के चलते टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं। यह खबर सीएसके के फैंस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है, क्योंकि आयुष इस सीजन सीनियर खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में बेहतरीन लय में नजर आ रहे थे। अंडर-19 के इस उभरते सितारे ने अपने पहले ही आईपीएल सीजन में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा था।

हैदराबाद के खिलाफ मैच में लगी चोट

आयुष म्हात्रे को यह इंजरी 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान हुई थी। बल्लेबाजी करते समय एक तेज रन लेने के प्रयास में आयुष म्हात्रे को अचानक मांसपेशियों में खिंचाव महसूस हुआ, जिसके बाद वे मैदान पर ही दर्द से कराहते नजर आए। उन्हें तुरंत मेडिकल टीम की देखरेख में बाहर ले जाया गया था। अब विस्तृत चिकित्सा रिपोर्टों के बाद यह साफ हो गया है कि उन्हें पूरी तरह ठीक होने के लिए कम से कम 6 से 12 हफ्तों के लंबे रिहैबिलिटेशन की जरूरत पड़ेगी, जिससे उनका मौजूदा सीजन अब समाप्त हो गया है।

काफी शानदार फॉर्म में थे आयुष म्हात्रे

आयुष म्हात्रे ने इस सीजन में अपनी तकनीक और निडर बल्लेबाजी शैली से दिग्गजों को काफी प्रभावित किया था। सीएसके के बल्लेबाजी क्रम में वे एक एक्स-फैक्टर के रूप में उभरे थे, जो मध्यक्रम में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते थे। उनके बाहर होने के बाद अब कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और कोच स्टीफन फ्लेमिंग के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनके सही रिप्लेसमेंट को खोजने की होगी। सीजन के इस महत्वपूर्ण मोड़ पर आयुष जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी का बाहर होना टीम के संतुलन को बिगाड़ सकता है।

सीएसके को लगातार हो रहा नुकसान

इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने 6 मुकाबले खेले हैं और इन 6 मुकाबलों में उन्हें सिर्फ 2 मैचों में ही जीत मिली है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स को लगातार झटके मिल रहे हैं। सीजन शुरू होने से पहले एमएस धोनी और नाथन एलिस चोटिल हो गए थे। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका तब लगा जब टीम के घातक तेज गेंदबाद खलिल अहमद भी इंजरी के कारण बाहर हो गए। अब इस लिस्ट में आयुष म्हात्रे का नाम भी शामिल हो गया है।

आईजीपीएल कांगो

21 साल के तुषार पन्नू का धमाल, मन्नत बरार के साथ टॉप पर बनाई बराबरी

कांगो (एजेंसी)। कांगो के लुबुंबाशी में खेले जा रहे आईजीपीएल इनविटेशनल में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। युवा गोल्फर तुषार पन्नू और मन्नत बरार ने पहले दिन 6-अंडर 67 का स्कोर बनाकर संयुक्त बढ़त हासिल की।

तुषार पन्नू की शानदार पारी - सिर्फ एक साल के प्रोफेशनल अनुभव वाले तुषार पन्नू ने बेहतरीन खेल दिखाया।

5 बर्डी और 1 ईगल
सिर्फ 1 बोगी
कुल स्कोर- 6-अंडर 67
उन्होंने शुरुआत में बोगी के बाद जबरदस्त

वापसी करते हुए लगातार शानदार शॉट लगाए और दिन का अंत ईगल के साथ किया।

मन्नत बरार का बोगी-फ्री प्रदर्शन - 19 वर्षीय मन्नत बरार ने बिना एक भी बोगी के 6-अंडर 67 का स्कोर बनाया। उन्होंने फ्रंट नाइन में 4 बर्डी और बैक नाइन में 2 बर्डी लगाकर शानदार खेल दिखाया। मन्नत इस साल प्रो बनी हैं और वह मिश्रित (मेंस-विमेंस) प्रो इवेंट जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला बनने की कोशिश कर रही हैं।

सुखमन सिंह तीसरे स्थान पर - सुखमन सिंह ने 5-अंडर 68 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने दो ईगल और तीन बर्डी के दम पर शानदार शुरुआत की और लीडर्स से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं।

मुनमुन दत्ता ने बताया समर मॉर्निंग रूटीन का राज

गर्मियों का मौसम आते ही लोग अपनी सेहत को लेकर ज्यादा सतर्क हो जाते हैं। खासतौर पर इस मौसम में पाचन संबंधी परेशानियां ज्यादा होती हैं, इसलिए खानपान पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में कई सेलेब्रिटीज भी अपने हेल्दी रूटीन को फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। इसी कड़ी में टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने

पेट की सेहत के लिए शेयर किए खास देसी ड्रिंक

अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जो अब खूब चर्चा में है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बना चुकीं मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि वह सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते की झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मुनमुन छाछ से कुछ बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहतरीन ड्रिंक बता रही हैं। इसे बनाते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज और हरा धनिया समेत कई चीजों को मिलाया। इसके अलावा, मुनमुन ने एक तस्वीर के जरिए एक और खास ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, ''यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है।'' मुनमुन दत्ता अपने फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम और योग से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका मानना है कि फिट रहने के लिए एक्सरसाइज के साथ-साथ सही खानपान भी उतना ही जरूरी है।

तीन दिवसीय यात्रा पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज से जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान दोनों देशों के बीच चल रही रक्षा सहयोग परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी और नए सहयोग के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। यात्रा के दौरान, श्री सिंह जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बातचीत में रक्षा उद्योग सहयोग को बढ़ाने, सैन्य संबंधों को मजबूत करने और साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा ड्रोन जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग रणनीति और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के प्रशिक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण समझौता होने की भी संभावना है। रक्षा मंत्री जर्मनी के रक्षा उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे, ताकि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत संयुक्त विकास और सह-उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके।

ट्रेड डील पर वाशिंगटन में मंथन

जल्द मिल सकती है खुशखबरी

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड डील को लेकर वॉशिंगटन में बातचीत का नया दौर शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि इस बार की चर्चा के बाद दोनों देश किसी बड़े व्यापार समझौते की दिशा में अहम प्रगति कर सकते हैं।

इस अहम बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच से होनी है। बातचीत का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार को आसान बनाना और टैरिफ (आयात शुल्क) को कम करना है।

भारतीय पक्ष की ओर से इस वार्ता का नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह डील सफल होती है, तो इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। साथ ही, भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर अवसर मिल सकते हैं, जबकि अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश और व्यापार बढ़ाने में आसानी होगी। अब नजर इस बात पर है कि यह बातचीत किस निष्कर्ष तक पहुंचती है और क्या दोनों देश जल्द ही किसी बड़े समझौते का ऐलान करते हैं।

नया कस्टम नियम भारतीयों पर असर

सीमा क्षेत्रों में बढ़ी नाराजगी

भारत-नेपाल सीमा से लगे इलाकों में इन दिनों नया कस्टम नियम चर्चा में है। नेपाल सरकार ने फैसला किया है कि भारत से लाए जाने वाले 100 नेपाली रुपये से अधिक कीमत के सामान पर अब कस्टम ड्यूटी देनी होगी। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर सीमा से सटे शहरों, खासकर बीरगंज में देखने को मिल रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा के सामान के लिए भारत के बाजारों पर निर्भर रहते हैं। स्थानीय लोगों में इस फैसले को लेकर नाराजगी है।

उनका कहना है कि छोटे-छोटे घरेलू सामान पर भी टैक्स देना पड़ेगा, जिससे उनकी दैनिक जरूरतें महंगी हो जाएंगी और आवाजाही पर असर पड़ेगा। वहीं नेपाली अधिकारियों का कहना है कि यह कदम राजस्व नुकसान को रोकने और अनौपचारिक आयात (illegal/unchecked imports) पर नियंत्रण पाने के लिए उठाया गया है। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय बाजार को भी बढ़ावा मिलेगा। यह निर्णय आने वाले समय में भारत-नेपाल सीमा पर व्यापार और आम लोगों की आवाजाही दोनों को प्रभावित कर सकता है।

भारत-नेपाल सीमा व्यापार पर असर

भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा व्यवस्था लंबे समय से दोनों देशों के लोगों के लिए सुविधाजनक रही है। सीमा से जुड़े शहरों के लोग अक्सर रोजमर्रा की जरूरतों के लिए एक-दूसरे के बाजारों का इस्तेमाल करते हैं। खासकर बीरगंज जैसे शहरों में यह परंपरा काफी पुरानी है। नेपाल के कई सीमावर्ती इलाकों में लोग खाने-पीने का सामान, कपड़े, दवाइयां और खेती से जुड़ी चीजें भारत से खरीदते हैं, क्योंकि कई बार भारतीय बाजारों में ये चीजें सस्ती और आसानी से उपलब्ध होती हैं। स्थानीय प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इस नए नियम से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है और खर्च बढ़ने का खतरा है।

कस्टम नियम लागू करने के पीछे सरकार का तर्क-कुछ लोगों का कहना है

नेपाल में कई बार जरूरी चीजों जैसे खेती के लिए उर्वरक की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, इसलिए लोग भारत जाकर सामान खरीदते हैं। लेकिन अब कस्टम ड्यूटी की वजह से यह प्रक्रिया महंगी और कठिन हो सकती है। इसी कारण कुछ लोगों ने इसे "अघोषित नाकेबंदी" जैसा बताया है। हालांकि नेपाली अधिकारियों के मुताबिक, यह कोई नया कानून नहीं है, बल्कि पहले से मौजूद नियमों को अब सख्ती से लागू किया जा रहा है। उनका कहना है कि सीमा से होने वाले अनौपचारिक व्यापार की वजह से राजस्व का नुकसान हो रहा था। इस नियम को लागू कराने के लिए सशस्त्र पुलिस फोर्स नेपाल और कस्टम-राजस्व विभाग की टीमों को तैनात किया गया है। सीमा के कई सेकेंडरी प्वाइंट्स पर जांच बढ़ा दी गई है। यात्रियों के सामान की जांच की जा रही है और तय सीमा से ज्यादा कीमत का सामान मिलने पर कस्टम ड्यूटी वसूली जा रही है। कड़ी जांच के कारण कई जगहों पर लंबी कतारें भी देखने को मिल रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य तस्करी और अवैध आयात पर रोक लगाना है, और सरकार ने इस मामले में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही है।